

खबर संक्षेप

मंडी में 1400 रुपए विवंटल तक पहुंचे

सीहोर। मंडी में प्याज की कीमतों में सुधार से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। 4 मई को प्याज का अधिकतम भाव 1370 रुपए प्रति क्विंटल था। गुरुवार को यह 1400 रुपए प्रति क्विंटल के स्तर पर बना रहा। पिछले साल इन्हीं दिनों में प्याज का अधिकतम भाव 800 से 900 रुपए प्रति क्विंटल के बीच था। तब किसानों को लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था। इस साल 500 रुपए प्रति क्विंटल तक की बढ़त सीधे किसानों के मुनाफे में जुड़ रही है। व्यापारियों का कहना है कि निर्यात नीति बेहतर हो, तो किसानों का लाभ और बढ़ेगा। मंडी में प्याज की आवक की निगरानी हो रही है। नीलामी प्रक्रिया पर भी नजर रखी जा रही है। फोकस इस पर है कि किसानों को उपज का उचित मूल्य मिले। भुगतान में कोई असुविधा न हो। किसानों ने कहा कि कीमत और अधिक मिलनी चाहिए। कई किसानों ने प्याज के दाम कम मिलने से परेशानी बताई। बिजोरी के रामकृष्ण शर्मा ने कहा कि प्याज की कीमतें ज्यादा मिलनी चाहिए। लागत बढ़ चुकी है। खाद-बीज महंगे दामों पर मिल रहे हैं। मंडी में भाव अच्छा मिलना चाहिए।

ई-प्रवेश पोर्टल पर

पंजीयन का आंकड़ा 60 हजार के पार

सीहोर। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर की प्रवेश प्रक्रिया क्रमशः एक और 2 मई को शुरू हो चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिये पंजीयन कराने के लिए दिनांक 7 मई 2026 तक विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में कुल 60 हजार 768 पंजीयन हो गए हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों में 39 हजार 579, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 8,364 तथा एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 12 हजार 825 पंजीयन हुए हैं। इसी प्रकार कुल 36,189 विद्यार्थियों द्वारा चॉइस फिलिंग तथा 23,964 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण किया जा चुका है। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 से पूर्व अपना पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन एवं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर लें। प्रथम चरण की आबंटन सूची 20 मई 2026 को ई-प्रवेश पोर्टल पर जारी की जाएगी।

आस्था और उत्साह के साथ किया गया श्रीराधेश्याम विहार कॉलोनी में गोपेश्वर महादेव को विराजमान



के साथ की गई है। विशाल कालोनी के मध्य में छह हजार स्वयंसेवक रात्रि को मजन संख्या और गणगौर नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

सीहोर। शहर के मुगोसपुर के समीपस्थ स्थित श्रीराधेश्याम विहार कालोनी में करीब छह हजार स्वयंसेवक रात्रि को मजन संख्या और गणगौर नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर बोले : समाज तय करे अनावरण की तारीख

आंबेडकर उपवन में स्थापित होगी बाबा साहेब की प्रतिमा, सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज | सीहोर

शहर के अम्बेडकर उपवन में संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर की भव्य प्रतिमा का अनावरण जल्द ही किया जाएगा। शुक्रवार को अहिरवार समाज संघ के पदाधिकारियों ने नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर से उनके निवास पर मुलाकात कर एक मांग पत्र सौंपा। मुलाकात के दौरान नपाध्यक्ष ने समाज को आश्चस्त किया कि प्रतिमा नगर पालिका द्वारा संगवा ली गई है और समाज की सहमति से जल्द ही भव्य कार्यक्रम के साथ इसका अनावरण किया जाएगा।

अहिरवार समाज संघ के प्रदेश सचिव विनोद कुमार बड़ोदिया ने मांग पत्र के माध्यम



से बताया कि पिछले वर्ष नगरपालिका द्वारा अम्बेडकर उपवन का अनावरण किया गया

था, जहां बाबा साहेब की तस्वीर लगाई गई थी। लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बराबर उस तस्वीर को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया गया। समाज ने मांग की है कि उपवन का सौंदर्यीकरण कराया जाए और वहां सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं, ताकि बाबा साहेब की प्रतिमा और उपवन की गरिमा सुरक्षित रहे।

नपाध्यक्ष ने कहा, समाज तय करे अनावरण की तारीख

सचिव बड़ोदिया ने बताया कि मुलाकात के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने बाबा साहेब के विचारों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि नगर पालिका बाबा

साहेब के उपवन को एक आदर्श स्थल के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने समाज के पदाधिकारियों से कहा बाबा साहेब की प्रतिमा आ चुकी है। आप समाज के अधिक से अधिक लोगों से चर्चा कर अनावरण की एक तिथि तय कर लें, उसी दिन भव्य रूप से प्रतिमा स्थापित कर दी जाएगी। नपाध्यक्ष के इस सकारात्मक रुख पर समाज के लोगों ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अहिरवार समाज संघ के प्रदेश सचिव विनोद बड़ोदिया, जिला पदाधिकारी राजेश कुमार अहिरवार, रविशंकर अहिरवार, अमनसिंह नरवरिया, मंसाराम, नर्मदा प्रसाद, रामसिंह अहिरवार सहित समाज के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

04 अफसरों की मनमानी के आगे बेबस किसान...



05 सीएमओ अध्यक्ष प्रतिनिधि और पुत्र ने की...



मौत का ब्रिज बना कोठरी टर्निंग पॉइंट, सीमेंट भरा ट्रक डिवाइडर तोड़कर पुल के नीचे गिरा

फोरलेन बनने के बाद दर्जनों हादसे, स्थानीय लोगों का सवाल : कितनी जानें लेने के बाद जागेगा एमपीआरडीसी

कोठरी। भोपाल-इंदौर फोरलेन हाईवे पर स्थित कोठरी ब्रिज अब लोगों के लिए “मौत का मोड़” बन गया है। गुरुवार शाम करीब 6 बजे एक बार फिर सीमेंट से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए पुल के नीचे जा गिरा। हादसे में चालक घायल हो गया, लेकिन लगातार हो रहे हादसों के बाद भी एमपीआरडीसी और सड़क विभाग की चुप्पी पर सवाल खड़े हो गए हैं।

डिजाइन में खामी, सुरक्षा इंतजाम नदारद

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहला हादसा नहीं है। फोरलेन बनने के बाद से इस खतरनाक टर्निंग पॉइंट पर दर्जनों छोटे-बड़े



हादसे हो चुके हैं। कई ट्रक पलटे, वाहन क्षतिग्रस्त हुए और कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग सिर्फ कागजों में सुरक्षा का दावा करता रहा। लोगों का आरोप है कि पुल की डिजाइन शुरू से ही खतरनाक है। संकरा पुल, अचानक तीखा मोड़, अधूरे सुरक्षा इंतजाम और चेतावनी

गुरुवार का हादसा: ट्रक के चारों पहिए ऊपर

गुरुवार शाम इंदौर से सीमेंट भरकर विदिशा जा रहा ट्रक कोठरी टर्निंग पॉइंट पर संतुलन खो बैठा और सीधे पुल के नीचे जा गिरा। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ट्रक के चारों पहिए ऊपर हो गए और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। अमलाहा चौकी पुलिस ने घायल चालक भोपाल निवासी लाल मियां को बाहर निकालकर सिविल अस्पताल आष्टा

क्या बड़े सामूहिक हादसे का इंतजार कर रहा एमपीआरडीसी

स्थानीय नागरिकों ने तीखा सवाल उठाया है कि क्या एमपीआरडीसी किसी बड़े सामूहिक हादसे का इंतजार कर रहा है? अखिर कितनी दुर्घटनाएं और कितनी जानें लेने के बाद विभाग की नौद खुलेगी?

पहुंचाया। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पुल की तकनीकी खामियां दूर नहीं की गईं, तो आंदोलन किया जाएगा। लगातार हो रहे हादसों ने एमपीआरडीसी की कार्यप्रणाली और सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।



अब से चार दिन पहले रैंकिंग में अंतिम पायदान यानि 52वें नंबर पर था जिला

जल गंगा संवर्धन अभियान में फिसड़ी जिले की सुध लेने सीहोर पहुंची प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर

19 मार्च से शुरू हुआ अभियान, 30 जून को होगा समापन

हरिभूमि न्यूज | सीहोर

जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश भर में जिले के खराब प्रदर्शन को लेकर हरिभूमि समाचार पत्र ने चार दिन पहले समाचार प्रकाशित कर सिस्टम का ध्यान आकर्षित कराया था। खबर पर सरकार ने संज्ञान लिया और शुक्रवार को जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर जिला मुख्यालय पहुंची, जहां उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय में मैगथन बैठक कर अभियान की प्रगति और पेयजल संकट की विस्तृत समीक्षा की। बता दें बीते 6 मई को ‘हरिभूमि’ ने ‘वीवीआईपी जिले का शर्मनाक रिकॉर्ड’ शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। इस खबर में बताया गया था कि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का गृह जिला होने के बावजूद जल संरक्षण के मामले में सीहोर प्रदेश में 52वें (अंतिम) पायदान पर पहुंच गया है। खबर के माध्यम से सिस्टम की लापरवाही और कागजों पर चल रहे अभियान की पोल खोली गई थी। इस रिपोर्ट ने भोपाल तक हलचल मचा दी, जिसके परिणामस्वरूप प्रभारी मंत्री को खुद मोर्चा संभालना पड़ा।

प्रेजेंटेशन नहीं दे पाए अफसर

खास बात यह रही प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर ने जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़े विभाग के अधिकारियों से कार्य के बारे में

प्रभारी मंत्री की समीक्षा के दौरान प्रेजेंटेशन नहीं दे पाए जिम्मेदार अफसर



विस्तार जानकारी मांगी, जिस पर अफसरों ने मौखिक तो सब कुछ बता दिया, लेकिन जब प्रभारी मंत्री गौर ने प्रेजेंटेशन दिखाने की बात कही तो जिम्मेदार अफसर ने असमर्थता जताते नजर आए, जिस पर प्रभारी मंत्री गौर ने नाराजगी जताई।

कड़ुआ गति से चल रहा काम

बता दें चार दिन पहले की रिपोर्ट के अनुसार सीहोर जिला प्रदेश की रैंकिंग में सबसे नीचे था। हालांकि बाद में मामूली सुधार के

साथ यह 48वें स्थान पर आया, लेकिन प्रभारी मंत्री की सख्ती के बाद अब उम्मीद जगी है कि कार्यों में तेजी आएगी। बता दें कहने को तो सीहोर प्रदेश की राजनीति का केंद्र है, लेकिन जल संरक्षण के सरकारी दावों की हकीकत उलट निकली। अमृत सरोवर, डग्वेल रिचार्ज और पुरानी बावडियों का पुनरुद्धार कड़ुआ गति से चल रहा है। अब देखा होगा कि प्रभारी मंत्री की समीक्षा के बाद यह अभियान कितना गति पकड़ता है।

हर बिंदु पर होगी जवाबदेही तय

बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से शुरू हुआ था, जो 30 जून तक चलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि समीक्षा बैठक के मुख्य रूप से चार बिंदु रहे। जल गंगा संवर्धन अभियान: अभियान में अब तक क्या प्रोग्रेस रही, काम की गति क्या है और शेष कार्यों को समय सीमा में कैसे पूरा किया जाएगा, इसकी विभागवार समीक्षा की गई। पेयजल संकट: भीषण गर्मी को देखते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा हुई। विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कैसे कर रहे हैं, इसकी रिपोर्ट ली गई। गेहूं उपजान: किसानों को मंडियों और उपजान केंद्रों पर कोई समस्या न हो, इसके लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। नवाचार: जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा जिले में किए गए नए प्रयोगों पर भी चर्चा हुई।

हरिभूमि में प्रकाशित प्रमुखता से खबर

कलेक्टर ने लगाई फरक, टीएल बैठक में दिखाई नाराजगी

वीवीआईपी जिले की फिसड़ी रैंकिंग: जल गंगा अभियान में सीहोर प्रदेश में सबसे नीचे

टीएल बैठक में दिखाई नाराजगी

कलेक्टर ने लगाई फरक, टीएल बैठक में दिखाई नाराजगी

वीवीआईपी जिले की फिसड़ी रैंकिंग: जल गंगा अभियान में सीहोर प्रदेश में सबसे नीचे

सीवन महिला घाट जगमगाएगा दीपों से और सजेगी रंगोली सीवन के तट पर

सीहोर। शनिवार को महिला घाट पर दीप महोत्सव के तहत दीप जलाएं सीवन पर कार्यक्रम महिला घाट के पर रखा गया है, शाम 6.30 बजे दीप प्रज्वलित किए जाएंगे, महिला घाट के दोनों तरफ दीप जलाए जाएंगे, सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया है कि समय समय पर सीवन के प्रति जागरूकता और भावनात्मक रिश्ता स्थापित करने हेतु कार्यक्रम निरंतर हो रहे हैं ताकि लोगों का रूझान सीवन के प्रति बढ़े। इसी कार्यक्रम के तहत रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन रखा गया है, जिसमें सीवन रंगीली सीवन के तट पर बनाई जाएगी।

तीन श्रेष्ठ रंगोलियों को ट्रॉफियों से पुरस्कृत किया जाएगा साथ ही तीन अन्य को मेडल प्रदान किए जाएंगे। संत समाज एवं सीवन पुत्र / पुत्री टीम ने शहर वासियों से निवेदन किया है कि शनिवार को महिला घाट पहुंचे दीपक-बाती एवं तेल लेकर एवं मां सीवन को दीपों से जगमग करें। निवेदन करने वालों में यश शर्मा, सुकेश राय प्रकाश यादव, शील राय, कैलाश चौहान, वैभव राठौर, कनाराम मालवीय, जगदीश वर्मा, अश्विन नामदेव, महिपाल जैन, लक्ष्मण सिंह चौक, आशिक खत्री, सुमित ताम्रकार, सादुल डाबी, नितेश

ब्लड सेंटर जिला अस्पताल पहुंचकर अरुणा राय ने किया रक्तदान

सीहोर। अरुणा सुदेश राय ने अपना खून देकर शुक्रवार को थैलेसीमिया रोग से पीड़ित बच्चों के जीवन को बचा लिया। समाजसेविका अरुणा सुदेश राय ने जिला अस्पताल के ब्लड सेंटर पहुंचकर रक्तदान किया। थैलेसीमिया एक गंभीर अनुवांशिक खून की बीमारी है जिसमें रोगी को जीवन बचाने के लिए हमेशा खून की जरूरत होती है। समाजसेवी अरुणा सुदेश राय ने थैलेसीमिया बीमारी से पीड़ित बच्चों को अपना खून देकर नया जीवनदान दिया। थैलेसीमिया विश्व दिवस पर जिला चिकित्सालय सीहोर के द्वारा ब्लड सेंटर में जरूरतमंद थैलेसीमिया से पीड़ित रोगियों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। थैलेसीमिया रोग से पीड़ित बच्चों की गंभीर अवस्था की जानकारी मिलते ही समाज सेविका अरुणा सुदेश राय ने शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया। रक्तदान के उपरांत श्रीमती राय ने कहा कि थैलेसीमिया खतरनाक बीमारी है समय पर रक्त नहीं मिलने से पीड़ित की मृत्यु भी हो जाती है इसलिए हमें मानवीयता के आधार पर थैलेसीमिया बीमारी से पीड़ित रोगियों के लिए अधिक से अधिक संख्या में अस्पताल पहुंचकर रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान शिविर में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन एके श्रीवास्तव ने भी रक्तदान किया शिविर के दौरान ब्लड सेंटर के अंबर मालवीय सहित स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर अधिकारी कर्मचारी नर्स और स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।



स्खर संक्षेप

राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान प्रारंभ

सीहोर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित “ज्ञान भारतम मिशन” के अंतर्गत देशव्यापी पांडुलिपि सर्वेक्षण, सूचीकरण एवं डिजिटलीकरण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सीहोर जिले में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह विशेष अभियान 15 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। कलेक्टर बालागुरु के. द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की पांडुलिपियों का सर्वे, संरक्षण एवं डिजिटलीकरण किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य ज्ञान भारतम पोर्टल एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्राचीन पांडुलिपियों का डेटा संकलित कर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है। इस अभियान की विशेष बात यह है कि “Gyan Bharatm App” के माध्यम से कोई भी नागरिक, संस्था, मंदिर, आश्रम, पुस्तकालय, शिक्षण संस्थान अथवा निजी संग्रहकर्ता स्वयं अपनी पांडुलिपियों का सर्वे कर सकता है। नागरिक मोबाइल ऐप के माध्यम से पांडुलिपियों की जानकारी, फोटो एवं आवश्यक विवरण अपलोड कर सीधे अभियान से जुड़ सकते हैं। इससे आमजन की भागीदारी सुनिश्चित होगी तथा अधिक से अधिक दुर्लभ पांडुलिपियों की जानकारी एकात्रित की जा सकेगी। जिला स्तरीय समिति में कलेक्टर बालागुरु के. को अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में जिपं सीईओ, एसडीएम, पीएम एक्ससीलेंस कॉलेज के प्राचार्य तथा जिला ई-गवर्नेस प्रबंधक को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। जिला ई-गवर्नेस प्रबंधक को समिति का सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है।

वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के आवेदन की अंतिम तिथि 30 तक रखी
सीहोर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 13 जून से 18 जून 2026 तक सीहोर जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को रवैष्णो देवीर की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई 2026 है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट <https://dharmaasva.mp.gov.in> से प्राप्त कर <https://dps.mp.nic.in> पोर्टल के माध्यम से ही दर्ज किए जा सकते हैं। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। योजना के तहत 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जो अकेले यात्रा करने के लिए आवेदन करते हैं, उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त 3 से 5 व्यक्तियों के समूह जिसमें सभी सदस्य 65 वर्ष से अधिक आयु के हों उन्हें भी एक सहायक ले जाने की अनुमति होगी, जबकि पति-पत्नी के साथ यात्रा करने की स्थिति में सहायक की अनुमति नहीं होगी।

किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे चक्काजाम करने को मजबूर होंगे

अफसरों की मनमानी के आगे बेबस किसान: तीन घंटे तहसील में इंतजार, 4 दिन से अटकी ट्रॉलियां

केंद्र बंद, वैकल्पिक व्यवस्था नहीं; गर्मी, भूख और बढ़ते किराए की मार, प्रशासन कार्यक्रमों में व्यस्त, किसान बेहाल

हरिभूमि न्यूज़ ►► मैट्रिड

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के बीच प्रशासनिक लापरवाही और अधिकारियों की मनमानी ने किसानों को बुरी तरह परेशान कर दिया है। भादकुई समिति के गुलरपुरा उपार्जन केंद्र की क्षमता पूरी होने के बाद भी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं किए जाने से करीब 50 से 60 ट्रैक्टर-ट्रालियां पिछले चार दिनों से सड़क किनारे खड़ी हैं। अपनी समस्या लेकर शुक्रवार को तहसील कार्यालय पहुंचे किसानों को वहां भी निराशा ही हाथ लगी तीन घंटे तक इंतजार करने के बाद भी कोई जिम्मेदार प्रशासन के अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं मिला।

दोपहर 12 बजे से किसान तहसील कार्यालय में बैठे रहे, लेकिन 3 बजे तक न तो उनकी सुनवाई हुई और न ही कोई अधिकारी उपलब्ध हुआ। इससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। किसानों का आरोप है कि जब वे अपनी समस्या लेकर पहुंचे, तब अधिकारी कार्यक्रमों और बैठकों में व्यस्त थे, जबकि उनकी समस्या तत्काल समाधान की मांग कर रही थी। बाद में जब एसडीएम सुधीर कुशवाह कार्यालय पहुंचे, तब जाकर किसानों को अपनी बात रखने का मौका मिला।

चार दिन से सड़क पर डटे किसान, भीषण गर्मी में गुजार रहे दिन-रात

गुलरपुरा स्थित हरिओम वेयरहाउस पर किसानों की ट्रालियां पिछले चार दिनों से खड़ी हैं। केंद्र की क्षमता दो दिन पहले ही पूरी हो चुकी थी, लेकिन किसानों को न तो इसकी पूर्व सूचना दी गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। नतीजतन किसान खुले आसमान के नीचे अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी में हालात और भी खराब हैं। दिन में तापमान 42 से 43 डिग्री तक पहुंच रहा है, जिससे किसान और उनके परिवार झुलस रहे हैं। वहीं रात में सुनसान सड़क पर असुरक्षा के बीच



रात गुजारना पड़ रहा है। कई किसानों के स्लॉट की अंतिम तारीख भी नजदीक है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई है।

किराए का बढ़ता बोझ, फिर भी नहीं हो रही तुलाई

कई किसान किराए के ट्रैक्टर-ट्रालियों में अपनी उपज लेकर आए हैं। एक ट्राली का दैनिक किराया 1500 से 2000 रुपए तक है। चार दिनों में यह खर्च 6 से 8 हजार रुपए तक पहुंच चुका है। आर्थिक रूप से पहले ही दबाव में चल रहे किसानों पर यह अतिरिक्त बोझ भारी पड़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद तुलाई शुरू नहीं हो पाई है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यस्त प्रशासन, किसान परेशान

इधर प्रशासन 10 मई को प्रस्तावित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम की तैयारियों में जुटा हुआ है। अलग-अलग विभागों की बैठकों का

अधिकारियों के जवाब से बढ़ा आक्रोश

एसडीएम ने किसानों को बताया कि केंद्र परिवर्तन का निर्णय जिला कलेक्टर स्तर पर लिया जाता है और फिलहाल लाइकुई स्थित बाबा वेयरहाउस पर तुलाई की व्यवस्था की गई है। यह सुनते ही किसानों में आक्रोश फैल गया। उनका कहना था कि लाइकुई केंद्र करीब 8 किलोमीटर दूर है और वहां पहले से ही तुलाई जारी है, जिससे और देरी होगी। किसानों ने मादकुई के शिवांश वेयरहाउस को वैकल्पिक केंद्र बनाने का झुझाव दिया, जो मात्र 1 किलोमीटर दूर और खाली है। लेकिन अधिकारियों ने पूर्व की कार्रवाई का हवाला देकर इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस पर किसानों ने नाराजगी जताते हुए कहा, “साहब, आप ही हमारे कलेक्टर हैं, यहीं समाधान कीजिए।”

दौर जारी है। ऐसे में किसानों का आरोप है कि उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर प्रशासन केवल कार्यक्रमों को सफल बनाने में लगा है।

एक ओर किसान भीषण गर्मी में भूखे-प्यासे अपनी उपज बेचने के लिए सड़क पर डटे हैं, वहीं दूसरी ओर अधिकारी



दफतरो से नदारद रहकर बैठकों में व्यस्त हैं। इससे किसानों में भारी नाराजगी है।

चेतावनी के बाद भी बेपरवाही, चक्काजाम की तैयारी

किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे चक्काजाम करने को मजबूर होंगे। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है।



जल्द ही समस्या का होगा समाधान

किसानों को लाइकुई स्थित बाबा वेयरहाउस पर भेजा गया है और सभी को ट्रैक्टर उतारवा कर दिया गया है। तुलाई की गति बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही किसानों की समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

सुधीर कुशवाह, एसडीएम मैट्रिड

बड़ा सवाल: भैरून्दा सिर्फ भीड़ जुटाने का मंच या विकास का असली हकदार?

भैरून्दा। क्षेत्र की राजनीति में वर्षों से चला आ रहा एक विरोधाभास एक बार फिर खुलकर सामने आ गया है। जब विकास की सौगातें देने की बारी आती है तो प्राथमिकता बुधनी को मिलती है, लेकिन जब बड़े आयोजन और भीड़ जुटाने की जरूरत होती है तो भैरून्दा को चुना जाता है। 10 मई को प्रस्तावित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY-IV) और पीएम-जनमन योजना के भव्य शुभारंभ ने इस बहस को फिर जिंदा कर दिया है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी प्रस्तावित है। इसे सफल बनाने के लिए प्रशासन और भाजपा संगठन पूरी ताकत झोंक रहे हैं। अनुमान है कि 20 हजार से अधिक लोगों की भीड़ जुटेगी, जिसके लिए गांव-गांव से लोगों को बसों के जरिए लाने की तैयारी की जा रही है। लेकिन इस भव्य आयोजन के बीच स्थानीय लोगों के मन में एक टीस भी साफ झलक रही है।

आयोजन यहां, सौगात कहीं और क्यों? स्थानीय नागरिकों का कहना है कि आखिर क्यों भैरून्दा को सिर्फ आयोजनों का केंद्र बना दिया गया है। जब योजनाओं के लाभ और बड़ी घोषणाओं की बात आती है तो यह क्षेत्र पीछे क्यों छूट जाता है? लोगों के मुताबिक, भैरून्दा में भीड़ जुटाना आसान है, यही वजह है कि इसे बार-बार कार्यक्रमों के लिए चुना जाता है, जबकि वास्तविक विकास कार्यों का झुकाव बुधनी की ओर रहता है।

हजारों करोड़ की योजनाएं, पर स्थानीय अपेक्षाएं अधूरी

PMGSY-IV के तहत प्रदेश में 1763 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 2117 किलोमीटर लंबी 963 सड़कों का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे 987 बसाहटों को लाभ मिलेगा। वहीं सीहोर जिले में 165 करोड़ की लागत से 81 सड़कों का निर्माण होगा। पीएम-जनमन योजना के तहत भी सैकड़ों किलोमीटर सड़कों को मंजूरी दी जा रही है। योजनाएं बड़ी हैं, लेकिन



मांगें उठीं, लेकिन हर बार निराशा

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले वर्षों में क्षेत्र ने मेडिकल कॉलेज, उद्योग, शिक्षा संस्थान और यहां तक कि जिला बनाने जैसी कई बड़ी मांगें उठाईं, लेकिन हर बार इन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। यहां तक कि मेट्रोपॉलिटन योजना में भी पूरे सीहोर जिले को शामिल किया गया, लेकिन भैरून्दा को इससे बाहर रखा गया। इससे लोगों में उपेक्षा की भावना और गहरी हो गई है।

अब मुख्यमंत्री से उम्मीद

10 मई का कार्यक्रम केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की उम्मीदों का केंद्र भी बन गया है। लोगों को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री इस मंच से भैरून्दा को कोई ठोस सौगात देंगे—चाहे वह जिला बनाने की घोषणा हो या मेट्रोपॉलिटन में शामिल करने का निर्णय।

सवाल यह है कि इनका सीधा और स्थायी लाभ भैरून्दा को कितना मिलेगा?

रामलीला में अशोक वाटिका, लंका दहन का मंचन-हनुमान ने जलाई लंका

जगदीश मंदिर से ग्राम महुआखेड़ी पहुंची शोभा यात्रा, पांच किलोमीटर चले शिव भक्त श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज़ ►► सीहोर

जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम महुआखेड़ी में सात दिवसीय विशाल एकादश कुण्डय श्री रुद्र महायज्ञ शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तत्वाधान में आस्था और उत्साह के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर देर रात्रि को शहर के जगदीश मंदिर से ग्राम महुआखेड़ी तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में शहरी और ग्रामीण श्रद्धालु शामिल थे।

इसकी शुरुआत मंदिर स्थित परिसर में भगवान के अभिषेक के साथ की गई। शोभा यात्रा का शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में अनेक स्थानों पर स्वागत किया। शहर के जगदीश मंदिर पर संस्कार मंच की ओर से धर्मन्द् महाेश्वरी, मनोज दीक्षित मामा, महेश कुमार, संतोष सिंह, आयुष गुप्ता ने यज्ञ संचालक पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर देर रात्रि को शहर के जगदीश मंदिर से ग्राम महुआखेड़ी तक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में शहरी और ग्रामीण श्रद्धालु शामिल थे।



सिंह, लाडसिंह, पुरुषोत्तम, भगवान सिंह विक्रम परमार आदि का स्वागत किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए यज्ञाचार्य पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे ने बताया कि सात दिवसीय शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठ महोत्सव में एकादश कुण्डय श्री रुद्र महायज्ञ सुबह से देर शाम तक होता था, वहीं श्री महाकालेश्वर रामायण प्रचारक रामलीला मंडल के तत्वाधान में रामलीला का मंचन किया जाता था। मंदिर परिसर में आयोजित रामलीला में कलाकारों ने अशोक वाटिका और लंका दहन लीला का मंचन किया। इस दौरान हनुमान जी

के पराक्रम और माता सीता की खोज के प्रसंगों को जीवंत किया गया। मंचन की शुरूआत में, वानर राज सुग्रीव ने राजपाट मिलने के बाद जामवंत और हनुमान को माता सीता की खोज के लिए दक्षिण दिशा में भेजा। विशाल समुद्र तट पर उनकी मुलाकात गिद्धराज के भाई संपाति से हुई, जिन्होंने बताया कि सौ योजन समुद्र लौंघने वाला ही माता सीता का पता लगा जाएगा। यह सुनकर सभी वानर एक-दूसरे का मुंह देखने लगे। तब जामवंत जी ने हनुमान जी को उनकी शक्तियों का स्मरण कराया। अपनी शक्ति का भान होते ही हनुमान

जी ने विशाल समुद्र को लौंघने का संकल्प लिया और लंका की ओर प्रस्थान किया। लंका में प्रवेश करने के बाद, हनुमान जी विभीषण के महल में पहुंचे, जहां विभीषण ने उनका आदर-सत्कार किया और बताया कि माता सीता अशोक वाटिका में हैं। हनुमान जी अशोक वाटिका पहुंचे और एक पेड़ पर बैठकर दुःखी अवस्था में माता सीता को देखा। उन्होंने निशानी के तौर पर लाई गई भगवान राम की अंगूठी माता सीता के सामने डाल दी।

अंगूठी देखकर माता सीता को हनुमान जी पर विश्वास हो गया : हनुमान जी ने स्वयं को रामदूत बताते हुए माता सीता को विश्वास दिलाया कि वे उनकी सुध लेने आए हैं। अंगूठी देखकर माता सीता को हनुमान जी पर विश्वास हो गया। इसके बाद, भूख लगने पर हनुमान जी ने माता सीता की आज्ञा लेकर फल खाए और अशोक वाटिका के वृक्षों को तोड़ना शुरू कर दिया। वृक्षों के तोड़े जाने की सूचना जब दशानन रावण तक पहुंची, तो उन्होंने अपने पुत्र मेघनाद को हनुमान जी को बंदी बनाने के लिए भेजा। हनुमान जी को बंदी बनाकर दरबार में लाया गया।

रविवार को खेला जाएगा विमला देवी राय इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल

सीहोर। शहर के बीएसआई मैदान पर पीपीसीए के सहयोग से विमला देवी राय इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में 250 से अधिक खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इसमें तीन श्रेणी हैं। सीनियर टीम, जूनियर टीम और सब जूनियर टीम, रविवार को सीनियर टीम में गणेश टायर और कृष्णा टायर के मध्य 40-40 ओवर का फाइनल मैच खेला जाएगा। इसके अलावा जूनियर टीम में टीम मानसी और यामनी के मध्य 25-25 ओवर का फाइनल मैच खेला जाएगा।

खिलाड़ियों को मंच देने के लिए विमला देवी राय इंटर हाउस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विधायक सुदेश राय, सचिव अतुल तिवारी, कोषाध्यक्ष वीरु वर्मा और मनोज दीक्षित मामा के मार्गदर्शन में पीपीसीए के कोच आदर्श राय, अतुल त्रिवेदी, विकास सास्ता, आशीष मेवाड़ा, हितेश केसरिया और दीपक तोमर आदि शामिल हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय, श्यामपुर, सीहोर (म.प्र.)
(शिक्षा मंत्रालय का स्वायत्त संस्थान, माध्यमिक एवं साक्षाता विभाग, भारत सरकार)

// निविदा सूचना //

दिनांक 08.05.2026

सत्र 2025-26 के दौरान पी.एम. श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, श्यामपुर, जिला सीहोर हेतु विभिन्न भण्डार सामग्री की आपूर्ति जैसे किराना सामग्री, सब्जी, बेकरी सामग्री, स्टेशनरी आदि कार्य जैसे धुलाई प्रेश, बाल कटिंग, इंटरनेट व कम्प्यूटर संबंधी वार्षिक मरम्मत, जुटन उठाने, कैटिन / टंक शॉप संचालन इत्यादि के लिये अधिकृत निविदादाताओं/आपूर्तिकर्ताओं/संबंधितों से मुहर बंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र की राशि रुपये 500.00 प्रति सेट के हिसाब से कार्यालय में जमा करवा कर, इन्हें दिनांक 09.05.2026 से 30.05.2026, अपराह्न 4.00 बजे तक, कार्य दिवसों में प्राप्त किये जा सकता है। इसके अलावा विद्यालय की आधिकारिक वेब साईट से भी इन्हें डाउनलोड किया जा सकता है। हालांकि, निविदा प्रपत्र जमा करते समय, निविदा प्रपत्र की कीमत के रूप में विद्यालय खाते में राशि 500.00 ऑन लाईन जमा करवाने पर उसकी ऑनलाइन आईडी निविदा प्रपत्र के साथ प्रस्तुत करनी होगी। विभिन्न मदों हेतु निवत धरोहर राशि के साथ राशि 500.00 का बैंक डाफ्ट जो कि प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय विद्यालय, सीहोर के पक्ष में देय हो, के साथ सीलबन्द् 2 बिड प्रपत्र में आमंत्रित निविदायें स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से दिनांक 01.06.2026 अपराह्न 4:00 बजे तक प्राचार्य कार्यालय में जमा करवाना होगी। प्राप्त निविदायें विद्यालय कक्ष सलाहकार समिति व उपस्थित निविदाकर्ताओं के समक्ष दिनांक 02.06.2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित खोली जायेंगी। निर्धारित तिथि/समय के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। विस्तृत सूचना, निविदा शर्तें, निविदा फॉर्म, धरोहर राशि विवरण एवं अन्य अवतन के लिये विद्यालय वेबसाइट का अध्ययन करें।

For detailed information, tender form and updates - please keep visit Vidyalaya website <https://www.navodaya.gov.in/nvs-school/SEHORE/en/home>

हस्ता (डॉ. के. एस. बघेल / Dr. K.S. Baghel) प्राचार्य / Principal

खबर संक्षेप

हितिग्राही मई और जून माह की राशन सामग्री प्राप्त करें

सीहोर। खाद्य विभाग द्वारा राशन हितिग्राहियों को मई और जून दोनों महीनों की राशन सामग्री एक मुश्त प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। मई और जून का राशन एक साथ देने की अंतिम तिथि 15 मई तक बढ़ाई गई है, पहले अंतिम तिथि 30 अप्रैल थी। सभी राशन हितिग्राहियों को सूचित किया गया है कि वे अपनी मई और जून माह की राशन सामग्री अपनी उचित मूल्य की दुकान से 15 मई से पहले प्राप्त कर लें।

सीवन योद्धाओं को किया सम्मानित

सीहोर। प्राचीन और ऐतिहासिक सीवन नदी, जो सदियों से इस क्षेत्र की जीवन रेखा रही है, आज भी अपनी शांति और सौंदर्य से लोगों का मन मोह रही है। लेकिन समय के साथ बढ़ते कचरे और जल प्रदूषण ने इसे संकट में डाल दिया है। इस नदी की स्वच्छता और संरक्षण के लिए चलाए जा रहे समुदाय आधारित अभियान में स्थानीय समाजसेवी और सीहोर नागरिक बैंक के पूर्व संचालक, चंपा लाल यादव ने अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाई। यादव ने महिला घाट का दौरा किया और सफाई कार्य में जुटे सीवन पुत्रों का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने जल संरक्षण और पर्यावरण सेवा में समर्पित जीवन योद्धाओं का सम्मान भी किया। उनके साथ वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी और युवा कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

नर्स ने कहा : डिलीवरी में देर है, आष्टा ले जाओ, दर्द से बिलखती रही महिला, परिजनों ने कराई डिलीवरी

सिद्धिकगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही अस्पताल के पीछे प्रसूता ने दिया बच्ची को जन्म

ग्राम श्यामपुर मगरदा निवासी दिनेश बारैला ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 2-3 बजे उनकी पत्नी संजू को अचानक पेट में तेज दर्द शुरू हुआ। परिजनों के साथ सुबह 5-6 बजे उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिद्धिकगंज लाया गया। अस्पताल में कोई स्टाफ मौजूद नहीं था।

हरिभूमि न्यूज | सिद्धिकगंज

शासन की तमाम स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद लापरवाह कर्मचारियों की वजह से आम लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सिद्धिकगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही का ऐसा ही मामला सामने आया, जहां प्रसूता को अस्पताल में भर्ती न कर अस्पताल के पीछे रिश्तेदार की झोपड़ी में डिलीवरी करानी पड़ी।

दर्द से तड़पती रही प्रसूता, नर्स ने रेफर करने को कहा

ग्राम श्यामपुर मगरदा निवासी दिनेश बारैला ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 2-3 बजे उनकी पत्नी संजू को अचानक पेट में तेज दर्द शुरू हुआ। परिजनों के साथ सुबह 5-6 बजे उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिद्धिकगंज लाया गया। अस्पताल में कोई स्टाफ मौजूद नहीं था। अन्य मरीजों ने बताया कि नर्स बाहर वाले रूम में रहती है। परिजनों द्वारा नर्स को रूम से बुलाकर लाने पर उसने कहा कि डिलीवरी होने में अभी 1 से डेढ़ माह हैं और प्रसूता को आयरन व कैल्शियम की कमी है। नर्स ने परिजनों से कहा कि उन्हें आष्टा या कहीं और ले जाओ। इस दौरान प्रसूता दर्द से



बिलखती रही।

डिलीवरी के बाद भी नहीं मिला इलाज, भगा दिया अस्पताल से : डिलीवरी के बाद जब दिनेश और परिजन प्रसूता को इलाज और दवा के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे तो स्टाफ ने उन्हें भगा दिया। स्टाफ ने कहा कि डिलीवरी से पहले लाना था, तब शासन की योजनाओं का लाभ मिलता।

ग्रामीणों का आरोप : डिलीवरी के बाद मांगे जाते हैं पैसे

परिजनों और ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सिद्धिकगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डिलीवरी के बाद पैसों की मांग की जाती है। शासन की योजनाओं का लाभ क्षेत्र के लोगों को पूरी

तरह नहीं मिल पाता।

आदिवासी बहुल क्षेत्र, सुविधाओं के अभाव में ग्रामीण परेशान

सिद्धिकगंज क्षेत्र में लगभग 60-70 गांव आते हैं। यह आदिवासी बहुल क्षेत्र है और यहां प्रतिदिन डिलीवरी के केस आते हैं। अधिकांश को आष्टा या सीहोर रेफर कर दिया जाता है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में केवल दो नर्स स्टाफ हैं और वो भी डिलीवरी करने में आनाकानी करती हैं। सुविधाओं के अभाव में ग्रामीणों को मजबूरी में आष्टा, सीहोर या देवास के प्राइवेट अस्पतालों में ले जाकर डिलीवरी करवानी पड़ रही है। आष्टा बीएमओ अमित माथुर ने बताया कि मुझे इसकी जानकारी नहीं

अस्पताल के पीछे झोपड़ी में हुई डिलीवरी जच्चा-बच्चा सुरक्षित

परिजन मजबूरी में प्रसूता को अस्पताल के पीछे करीब 500 मीटर दूर रिश्तेदार की झोपड़ी में ले गए। सुबह 7 से 7-30 बजे के बीच रिश्तेदार और परिजन महिलाओं की मदद से डिलीवरी कराई गई। डिलीवरी में जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ रहे। प्रसूता को किसी भी प्रकार का इलाज या दवा नहीं मिल पाई। दिनेश बारैला ने कहा, अगर मेरे परिजन और रिश्तेदार साथ नहीं होते तो मैं अपनी पत्नी और बच्ची दोनों को खो सकता था। ऐसी लापरवाही करने वाले कर्मचारी पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि किसी और महिला के साथ ऐसा न हो।

हैं मैं इसकी जांच करवाता हूं जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी

उच्च शिक्षा तक समावेशी पहुंच ही हमारा लक्ष्य: अभियान प्रमारी भीमसेन मालवीय

जावर। सत्र 2026-27 के अंतर्गत संचालित कॉलेज चलो अभियान के द्वितीय चरण में शासकीय महाविद्यालय जावर नगर की कॉलेज चलो अभियान टीम द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेहतवाड़ा का भ्रमण किया गया। इस दौरान कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का डाटा संकलित किया गया तथा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य अनार सिंह ठाकुर, कॉलेज चलो अभियान प्रमारी भीमसेन मालवीय सहित विद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। प्रवेश प्रक्रिया 2026-27 को विद्यार्थियों के लिए सरल एवं सुविधाजनक बनाने हेतु महाविद्यालय में प्रवेश कक्ष, प्रवेश सहायता केंद्र तथा काउंसलिंग टीम का गठन किया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को विषय चयन, ऑनलाइन पंजीयन एवं प्रवेश संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर भीमसेन मालवीय ने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने कॉलेज चलो अभियान के महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा हर चैकट, हर आंगन, हर दर तक ले जाऊंगा, मैं संविधान के सपने को घर-घर तक ले जाऊंगा। उन्होंने विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को उज्जवल बनाने तथा समाज एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।



सम्मान एक उत्प्रेरक का कार्य करता: पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार

आष्टा। छात्र जीवन में शिक्षा और साथ में शोक की गुणवत्ता ही भविष्य का निर्माण करती है, पूर्व छात्र संगठन में मेरे द्वारा प्रेरक योगदान किया गया इस आधार पर जो मेरा सम्मान हो रहा है यह मेरे लिए उत्प्रेरक के समान है जो कि मेरी आगे की राह को सुगम बनाएगा, मैंने सदैव से अपने राजनीति के शोक को शुचिता के साथ पूर्ण करने की कोशिश की और उसको आप सबने उसे पहचान कर मुझे प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया उस हेतु मैं हृदय से आभारी हूं। प्रदेश के आदर्श

मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के पूर्व छात्र संगठन के अध्यक्ष सतीश रायजादा संरक्षक दिग्विजयसिंह कौशल, एम वी एम कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष रविशंकर पांडे, अजीतकुमार जैन आष्टा, अभय श्री वास्तव, गगन सिंह आदि ने राजनीति में शुचिता अपनाने हेतु भोपाल विश्व विद्यालय के पूर्व छात्र नेता तथा एम व्ही एम कॉलेज के वर्ष 1979 में निर्वाचित अध्यक्ष



कैलाश परमार का पूर्व छात्र संगठन के कार्यक्रम में सम्मान किया।

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार 2026

प्रथम उपहार 1 कार

द्वितीय उपहार 3 नग बाईक

तृतीय उपहार 10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार 5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार 8 नग वासिंग मशीन

छठवां उपहार 15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार 25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार 40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार 500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार 600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार प्रत्येक प्रतिभागी को सातवां उपहार

नियम एवं शर्तें :- ♦ यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसम्बर 2026 की अवधि के लिए है। ♦ हरिभूमि के नये एवं पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं। ♦ महालक्की झा. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा। ♦ इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे। ♦ योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) चिपकाने होंगे। ♦ फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होंगे। ♦ राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे। ♦ सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आयकर के नियम व शर्तें मान्य होंगी। ♦ हरिभूमि निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। ♦ किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा। ♦ चित्र में दर्शाए गए उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं। ♦ हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते।

आज ही **हरिभूमि** की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, 4 तल, पीवी 2, बी ब्लॉक, कमलापति रेल्वे स्टेशन के पास, शिवाजी नगर, भोपाल

मो. 8770833858, 8349245522